पाकिस्तान और भारत के बीच शांति
अब और हमेशा के लिए अभियान
1 जुलाई 2017 से 15 अगस्त 2017 तक

आज़ादी और विभाजन के सत्तर वर्षों में भारत और पाकिस्तान के लोगों ने कई संघर्ष देखे हैं और असंख्य कीमती जिंदगियों का बलिदान दिया है। दुर्भाग्य से यह परीस्थितियाँ यथावत हैं क्योंकि भारत-पाक की सत्तारुढ़ पार्टियाँ तनाव की यह स्थित बनाए रखना चाहती हैं। ग़रीबी उन्मूलन के बजाय वो रक्षा पर अधिक से अधिक रुपया खर्च करने के लिए बहाना चाहते हैं।

वर्तमान युद्ध की स्थिति

हाल के दिनों में दोनों देशों के बीच बढ़ा दुश्मनी और शत्रुता का महौल मीडिया और सोशल मीडिया की देन है। विवेकशीलता के लिए ज़मीन इतनी तंग कभी नहीं थी। आम लोग अपनी रोज़मर्रा की चुनौतियों का सामना करते हुए जिंदगी की जद्दोजहद में व्यस्त हैं और बढ़ती हिंसा उन्हें उस समय और भी असमंजस में डालती है, जब युद्ध की इस स्थिति के खिलाफ बात करने वालों को राष्ट्रविरोधी माना जाता है। इन परीस्थियों में लोग बहुत जल्द शांति पर बातचीत करना बंद कर देंगे और वातोन्माद पर प्रश्न करने वालों को हमारे देश में राष्ट्रविरोधी के रूप में आरोपित किया जाता रहेगा।

समय की ज़रूरत

जीवन के विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े लोगों नागरिक व सामजिक संगठनों और सुधी नागरिकों के लिए अनिवार्य है कि वे इन हालात से बाहर निकलें। बड़ी संख्या में बाहर निकलकर शांति की मांग करें और युद्ध के प्रयासों की निंदा करें, ताकि दोनों देशों के लोगों की सुरक्षा की जा सके। विशेषकर ग़रीबों के जीवन पर इसका काफी नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है, अर्थव्यवस्था प्रभावित हो रही है। लाखों लोगों को ग़रीबी रेखा के नीचे रहने के लिए मजबूर किया जा रहा है।

क्या युद्ध का विरोध करते हुए शांति और विकास की मांग करना राष्ट्रद्रोह है?

याद रहे कि मिलिटरी पर भारी मात्रा में निधियों के खर्च करने का बोझ निश्चित रूप से आम ग़रीब जनता के कांधे पर होगा। आज पाकिस्तान की जनसंख्या 200 मिलियन है, जबकि भारत की 1.2 बिलियन। संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम का मानव विकास सुचकांक दर्शाता है कि पाकिस्तान के 21 प्रतिशत और भारत के 22.6 प्रतिशत लोग 1.25 डॉलर(80 रुपये प्रतिदिन पर गुज़ारा करने पर मजबूर हैं।) दोनों देशों में रक्षा विभाग निरंतर अपना बजट बढ़ा रहा है। 1998-2010 के बीच भारत का रक्षा बजट 20 बिलियन डालर से बढ़कर 45 मिलिय डालर कर दिया गया और पाकिस्तान में 5 मिलियन डालर से बढ़या गया। भारत ने 2012 में अपने जीडीपी(सकल घेरू उत्पाद) का 2.5 प्रतिशत और पाकिस्तान 3.4 प्रतिशत रक्षा पर खर्च किया है। दूसरी ओर 2014 में स्वस्थ्य पर भारत ने केवल 1.4 प्रतिशत और पाकिस्तान ने 0.9 प्रतिशत से भी कम बजट खर्च किया है। हम देखते हैं कि जब भी हालात कुछ सुधरने की उम्मीद होती है, युद्ध तथा आतंकवादी बयानों से विघटनकारी परीस्थितियाँ तैयार की जाती हैं। इस तरह के पारंपारिक एवं विघटनकारी बयान देनों देशों के बीच तनाव उन्मादी लोगों को और मज़बूत करते हैं।

यह केवल वित्तीय मुद्दा नहीं है, अपितु नैतिक और राजनीतिक भी है, क्योंकि रक्षा क्षेत्र में खर्च निरंतर बढ़ रहा है और स्वास्थ्य, शिक्षा और ग़रीबी उन्मूलन जैसे महत्वपूर्ण कार्यों पर बजट आवंटन कम होता जा रहा है। ऐसा दोनों देशों में हो रहा है।

इसलिए हम पाकिस्तान और भारत के लोग एक होकर इस उपमहाद्विप पर शांति का प्रस्ताव पारित करते हैं और कुछ मांगे, हमारी सरकारों के सामने रखते हैं। इसके अंतर्गत दोनों देशों में लोगों में शांति के लिए अभियान भी चलाते हैं, ताकि लोग अपने अपने देशों में शांति पर ज़ोर दें।

1. भारत-पाकिस्तान के बीच शांति वार्ता निरंतर जारी रहे और इसके लिए संस्थागत फ्रेमवर्क विकसित हो। इसके लिए पीस नाउ एण्ड फारेवेर कैंपेन की शुरूआत पाकिस्तान और भारत के बीच 1 जुलाई से 15 अगस्त तक चलाया जाए और चाहे हालात कैसे भी हों, दोनों देशों के बीच संवाद बाधक न हों।

2. दोनों देशों के राजनीतिज्ञ, राजनयिक और सरकारी अधिकारी सभी अंतर्राष्ट्रीय एवं बहुपक्षिय मंचों पर दोनों देशों के बीच की वार्ता को अनिवार्य रूप से शामिल रखें।

3. इस बात को स्वीकार करें कि कश्मीरी मुद्दे में कश्मीरी जनता के जीवन और उनकी आकांक्षाओं की चिंता शामिल होगी और इस मुद्दे को सभी पक्षों के बीच बातचीत द्वारा ही सुलझाया जाए।

4. दोनों देशों भारत और पाकिस्तान के बीच 2003 में किये गये युद्धविराम के समझौते पर तत्काल अमलावरी हो।

5. सभी तरह के छद्म युद्ध, राज्य प्रायोजित आतंकवाद, मानवाधिकारों का उलंघन, सीमापार आंतकवाद और एक दूसरे के विरुद्ध जारी विनाशक गतिविधियाँ तथा एक दूसरे राज्यों में गैर सरकारी स्तर पर जारी पृथकवादी आंदोलनों को तत्काल बंद किया जाए।

6. लोगों के बीच आपस में संपर्क करने में बाधक सभी रुकावटें हटा दी जाएँ और वीसा पर से पाबंदी हटाकर दोनों देशों के सामान्य नागरिकों की समस्याओं को दूर किया जाए, बल्कि दोनों देशों के बीत रिश्तों को बेहतर बनाने के लिए वीसा फ्री आवाजाही को प्रोत्साहित किया जाए।

7. भारत पाक के बीच व्यापार और आर्थिक गतिविधियों को प्रात्सहित करते हुए सांस्कृतिक और खेल के क्षेत्र में आदान प्रदान को बढ़ाया जाए।

साथ ही हम प्रतिज्ञा करते हैं कि पक्षपाति रिपोर्टिंग को रोक दिया जाए और मीडिया से अनुरोध है कि दोनों ओर चर्चाओं में सैन्यिकरण को बढ़ाना न दें। हम जिम्मेदारी से काम करते हुए नफरत फैलाने वाले बयानों को प्रसारित करना बंद कर दें और दोनों ओर वातोन्माद फैलाकर समुदायों के बीच झगड़े का महौल न बनाएँ।

इस प्रस्ताव में भारत-पाक की जनता की मांग है कि शांतिप्रद लोगों के समूह बनाए जाएँ, उन्हें ज़बर्दस्त प्रतिसाद मिला है और अब तक 900 से अधिक प्रतिष्ठित भारतीय एवं पाकिस्तानी लोगों का समर्थन मिला है, उनमें जीवन के सभी क्षेत्रों से जुड़े लोग हैं, भारत और पाकिस्तान के सेवानिवृत्त सैनिक भी हैं, जनरल्स, पूर्व नौसेना प्रमुख, राजनीतिक नेता, फिल्मी हस्तियाँ, इतिहासकार, मानवाधिकार कार्यकर्ता, संगीतकार, गायक, कवि और लेखक और विभिन्न संस्थाओं और संगठनों के लोग शामिल हैं। कुछ तो भारत पाक के अलावा दूसरे देशों में रहने वाले भी है, जो पीस नाउ एण्ड फारेवेर कैंपेन में भाग लेना स्वीकार कर चुके हैं।

यह अभियान उपमहाद्विप के कई शहरों, उपनगरों और ग्रामों में आयोजित किया जा रहा है। हम भारत पाक के सभी लोगों से अनुरोध करते हैं कि वे अपने अपने क्षेत्रों में पीस नाउ एण्ड फारेवेर कैंपेन अभियान का आयोजन करें और अधिक से अधिक हस्ताक्षर जमा करें। हस्ताक्षर अभियान के साथ-साथ अभियान में भाग ले रहे विभिन्न भागीदारों ने दोनों देशों के बीच संबंधों पर कॉलेजों, स्कूलों में व्याख्यान, मुशाएरे, कवि सम्मेलन, फिल्म महोत्व, आपस में विस्वास पैदा करने के लिए बैठकें, रैलियाँ और मैराथन, राजनीतिक पार्टियों तक पहुँचकर उन्हें ज्ञापन देना आदि कार्यक्रमों का आयोजन भी किया जा रहा है। आप सबसे अनुरोध है कि इस तरह के कार्यक्रमों में भाग लेकर शिंत के लिए जगह बनाएं और दोनों राष्ट्रों के बीच सौहार्द की सुरक्षा करें।

Contacts for : **Peace Now and Forever Campaign Between India and Pakistan**
India : Please Post all Signature Campaign Forms to : Aaghaz e Dosti, G-201,
Kaveri Apartments, Plot 4, Sector-6, Dwarka New Delhi 110075
Secretariat : COVA # 18-13-8/A/508/B, Bandlaguda, Chandrayangutta, Hyderabad, PIN: 500 005,
Telangana State, INDIA. Phone :0091 40 24442984, Fax : 0091 40 24444527
Mobile: 09346238430, E-mail : covanetwork@gmail.com; URL:www.covanetwork.org
Pakistan : Please Post all Signature Campaign Forms to :
Aurat Foundation, D.3/1, block 7, KDA scheme 5, Clifton, Karachi, Pakistan.
Secretariat : PILER Centre ST-001, Sector X, Sub Sector V, Gulshan e Maymar,
Karachi Sindh 74900 Pakistan. Email: piler@cyber.net.pk
Phones : +92 213 635 114 5/7, +92 213 635 035 4
Email Address for the Peace Now Campaign: peacenowcampaign@gmail.com